गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने की मां ब्रह्मचारिणी की आराधना

गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र आराधना का द्वितीय दिवस

सायं सत्र में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने की देवी की पूजा

गोरखपुर, 27 सितंबर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ रवाना होने से पूर्व शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन मंगलवार प्रातः काल जगतजननी मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप में ब्रह्मचारिणी का विधि विधान से पूजन अर्चन किया। गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में सुबह के सत्र में गोरक्षपीठाधीश्वर ने तो सायंकाल में उनकी अनुपस्थिति के सत्र में समस्त अनुष्ठान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी ने किए। इसके साथ ही दुर्गा मंदिर (शक्तिपीठ) के गर्भगृह में श्रीमद् देवीभागवत का पाठ एवं श्रीदुर्गासप्तशती के पाठ भी जारी रहा। दोनों पूजन सत्रों में आरती एवं क्षमा प्रार्थना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।

शारदीय नवरात्र के प्रतिपदा पर सोमवार को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सायंकाल गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ के गर्भगृह में कलश स्थापना कर नवरात्र के विशेष अनुष्ठान/ उपासना का शुभारंभ किया था। मंगलवार को मुख्यमंत्री जी ने लखनऊ रवाना होने से पूर्व उन्होंने प्रातः

सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां भगवती के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह करीब दो घंटे तक चली पूजा में मुख्यमंत्री ने गौरी-गणेश की आराधना के साथ सभी देव-विग्रहों का षोडषोचार भी पूजन किया। समस्त अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पुरोहित पंडित रामानुज त्रिपाठी की देखरेख में हुए। पौराणिक कथाओं में मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी के पूजा अर्चन से सर्वसिद्धि प्राप्त होती है।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज कि चरण पादुका का हुआ पूजन

पावन शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में एक विशेष अनुष्ठान के क्रम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की चरण पादुका का पूजन किया गया। संस्कृत विद्यापीठ के 151 वेदपाठी छात्रों ने पुरोहितों एवं आचार्यगण के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चरण पादुका पूजन का अनुष्ठान पूर्ण किया।

डॉ अरविन्द चतुर्वेदी, डॉ रोहित मिश्र, पुरुषोत्तम चौबे, नित्यानाद, शशांक पाण्डेय, शुभम मिश्रा, विनय गौतम आदि उपस्थित रहे।